औद्योगिक गलियारे का बढ़ाया जाएगा दायरा

गंगा एक्सप्रेसवे के लिए खरखौदा, बिजौली, खड़खड़ी सहित कई गांवों से ली जाएगी जमीन

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। गंगा एक्सप्रेसवे किनारे औद्योगिक गलियारा बड़ा करने के लिए जिला प्रशासन ने खरखौदा, बिजौली, खड़खड़ी सहित कई गांव के किसानों की जमीन तलाशनी शुरू कर दी है। यूपीडा ने पहले चरण में लगभग 200 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। 300 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि खरीदने की योजना पर काम किया जा रह है।

हापुड़ रोड, गंगा एक्सप्रेसवे के बीच एक बड़े औद्योगिक हब विकसित होगा। जमीन लेने के लिए प्रशासनिक अधिकारी जल्द किसानों से मंथन करेंगे। मंगलवार को डीएम डॉ. वीके सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यूपीडा के अभिलेखों में जमीन दर्ज करानी है। किसानों को भी उचित मुआवजा मिलेगा।

प्रशासनिक अधिकारी जल्द ही किसानों के साथ करेंगे मंथन

> गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारा विकसित कराया जा रहा हैं। विदेशी कंपनियों द्वारा जमीन लेने की डिमांड बढ़ती जा रही हैं। किसानों से तालमेल बनाकर जमीन लेकर यूपीडा को देंगे। इसको लेकर प्रशासनिक अधिकारी लगे हैं। **-डॉ. वीके सिंह, डीएम**

डीएम डॉ. वीके सिंह ने बताया कि औद्योगिक गलियारा न केवल क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। यही वजह है कि अमेरिका, जापान और अन्य कई देशों की कंपनियों ने गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे जमीन उपलब्ध कराने की मांग की। गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश के कई प्रमुख शहरों को जोड़ेगा। औद्योगिक गलियारा लॉजिस्टिक्स और विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक रणनीतिक हब बनने की क्षमता रखता है। यूपीडा इस परियोजना के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, इसका उद्देश्य औद्योगिक निवेश को आकर्षित करना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। विदेशी कंपनियों द्वारा जमीन की मांग बढ़ने से यूपीडा ने खरखौदा, बिजौली, खड़खड़ी सहित कई गांव में 300 एकड़ जमीन लेने का प्रस्ताव प्रशासन के सामने रखा। इसको लेकर डीएम ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मंथन किया। इसमें किसानों के साथ जमीन को लेकर बातचीत करने की बात कही।